Send Pdf
22/5/21

अभ्यास

कविता से

पाठ - 1

मौखिक (Oral)

1. कविता के अनुसार तीन लोकों में सबसे न्यारा कौन है? ① भारतवर्ष
2. इस कविता में कवि ने किसे संबोधित किया है? ② भारत को
3. कवि ने 'तेज-पुंज-विशेष' किसे और क्यों कहा है? ③ भारत को तेज-पुंज विशेष कहा है क्योंकि भारत का प्रकाश-पुंज अपनी आभा से संसार को आलोकित करता है।
4. कवि के अनुसार हमें क्या सीखने की ज़रूरत है? ④ एकता की भावना

पढ़कर बताइए (Read and answer)

1. कवि ने किसे भारत का मुकुट कहा है?
2. कवि ने 'गुल' किसे और क्यों कहा है?
3. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए—

हम ---बुलबुल--- तू ---गुल--- है प्यारा,
तू ---संबल---, तू ---देश--- हमारा।
हमने ---तन-मन--- तुझ पर ---वारा---,
---तेज-पुंज-विशेष। जय-जय भारत देश---।

Scanned by TapScanner

भाषा से

श्रुतलेख– हिमगिरी, संबल, पुंज-विशेष, देशेश, प्रणम्य, प्रणमामी, निःशेष, मातृभूमि, सौभाग्य।

1. **दिए गए शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–**

(क) तन – शरीर गात काया

(ख) जगत – संसार विश्व दुनिया

(ग) आँख – नयन नेत्र चक्षु

(घ) दर्प – घमंड अहंकार गर्व

Scanned by TapScanner

2. जो शब्दांश किसी शब्द के आरंभ में जुड़कर नया शब्द बनाते हैं तथा अर्थ में परिवर्तन करते हैं, **उपसर्ग** कहलाते हैं। जैसे– वि + शेष = विशेष; अ + जय = अजय; सु + पुत्र = सुपुत्र आदि।

निम्नलिखित उपसर्गों से दो-दो शब्द लिखिए–

(क) सु – सुवेश, सुभद्रा

(ख) सम् – संभव, संयोग

(ग) प्र – प्रकार, प्रकाश

(घ) निः – निस्वार्थ, निस्तेज

3. किसी प्राणी, वस्तु, स्थान अथवा भाव के नाम का बोध कराने वाले शब्द **संज्ञा** कहलाते हैं; जैसे– तोता, तितली, नरेंद्र, मुंबई, पहाड़, कलम, मेहनत, नम्रता आदि।

कविता में से ढूँढ़कर आठ संज्ञा शब्द लिखिए–

भारत, देश, हिमगिरी, मुकुट, बुलबुल, शीश, कलेश, दर्प

4. **निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–**

हिमगिरी – हिमालय पर्वत को हिमगिरी भी कहा जाता है।

स्वामी – भारत सभी देशों का स्वामी है।

कर्म – सभी अपने-अपने कर्म करने लगे हैं।

मातृभूमि – हमें अपनी मातृभूमि से प्यार है।

Scanned by TapScanner

Class-VII हिन्दी पाठ - 1 भारतवर्ष

22/4/21 पुस्तक-कार्य + प्र०/उ०

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

उ०-1. कवि ने भारत को 'संबल' इसलिए कहा है क्योंकि भारत प्रत्येक देशवासी के लिए एक शक्ति है। यह जीने के अनिवार्य साधनों का स्रोत है। यह उनके जीवन का आधार है।

उ०-2. कवि भारत-भूमि की मिट्टी को अपने शीश पर चढ़ाना चाहता है क्योंकि वह देश से प्रेम करता है।

उ०-3. कवि जगतपिता से प्रार्थना करता है कि भारतवर्ष हमेशा विजयी हो और सब देशों का स्वामी हो।

उ०-4. कवि ने भारत को देशों का स्वामी इसलिए कहा है क्योंकि भारत सभी देशों में श्रेष्ठ और सर्वोपरि है।

उ०-5 यदि कोई शत्रु हमें आँख दिखाए तो हमें डरना नहीं चाहिए। हमें धैर्य और साहस से मुकाबला कर उसका घमंड तोड़ देना चाहिए।

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

उ०-1. कवि के अनुसार भारत तीनों लोकों में सबसे अद्भुत है। हिमालय पर्वत इसके मुकुट के समान शोभायमान है। यह सभी भारतीयों का संबल है। यह वह प्रकाश-पुंज है जो सारे विश्व को प्रकाशित करता है। यह सभी देशों का स्वामी है।

उ०-2. कवि के अनुसार यदि कोई शत्रु हमें आँख दिखाए तो भारत की मान-मर्यादा का ध्यान रखते हुए हमें साहस और हिम्मत से उसका मुकाबला कर उसका घमंड तोड़ देना चाहिए। देश के मान-सम्मान के लिए अपना सर्वस्व देश पर न्योछावर करना चाहिए।

उ० 3(क) कवि के अनुसार हम भारतवासी गुलिस्ताँ रूपी भारत में विचरण करने वाली बुलबुल के समान हैं। हमारा देश भारत हमारे जीवन का आधार है क्योंकि हमारी सारी जरूरतें यहीं पूरी होती हैं। यह हमारा संबल है।

उ० (ख) कवि के अनुसार जो भारत की ओर गलत दृष्टि से देखे, उसे हमें उसके कर्मों का फल देकर, उसका नामोनिशान मिटा देना चाहिए।

Scanned by TapScanner